नगर या छोटे कस्बे सुचारु चलते है यदि उपरोक्त जनसेवाये एक छोटे व केंद्रीय चौक (40 X 40m) मे निहित हो : दूरी कम कर दे , सहयोग बढ़ाया जाए और संपर्क को आसान बना दिया जाए । नगर/छोटे कस्बे मे रोज़मर्रा के काम होते है , जरूरी कार्य पैदल 10 मिनट चल कर किये जा सकते है .

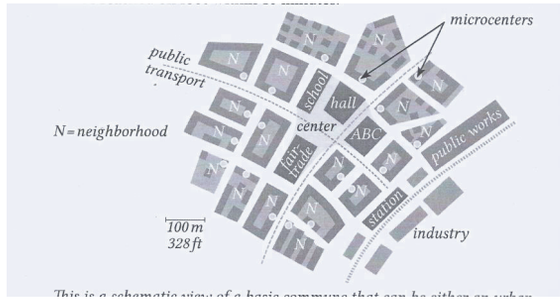

एक मूल कम्यून का ढांचागत चित्रण है जोकि नगर या छोटा कस्बा हो सकता है .

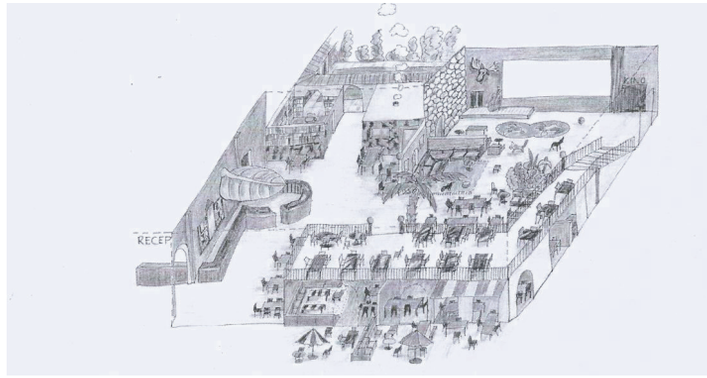

यह एक संभवतः ABC की छवि है : पीछे दिख रही << दुनिया की दीवार >> को ग्रह की अन्य 399,999 दुनिया की दीवारों से ऑनलाइन जोड़ा जा सकता है .

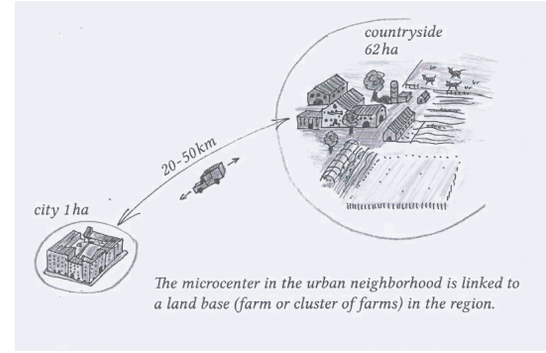

The microcenter in the urban neighborhood is linked to a land base (farm or cluster of farms) in the region.

अड़ोसपड़ोस के सूक्ष्म केंद्र क्षेत्रीय भूमि (खेत या खेत समूह) आधार से जुड़े हुये है ।

सूक्ष्मकेंद्र , सेवा क्षेत्र का मिश्रित उपयोग है (मुख्यतया भूतल पर) से गृहकार्य अनुकूलन होता है , दूरी को कम करता है (80 m = 1 मिनट), सहयोग की अनुमति देता है और साथ मे ही प्रतिदिन संचार , सामाजिक समारोहो और आनंद और खेलो का स्थान बनता है .

स्थानीय हालातो और सदस्यो के झुकाव पर निर्भर करते हुये यह 1200 से 2000 m2 के बीच रहता है. यह स्थानीय निवासियों की संस्थायो द्वारा संचालित होते है (प्रचालन संकल्पना पर आधारित) .

यहाँ ढांचे के रूप मे दर्शाया गया है :

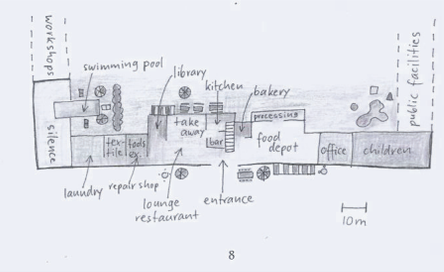

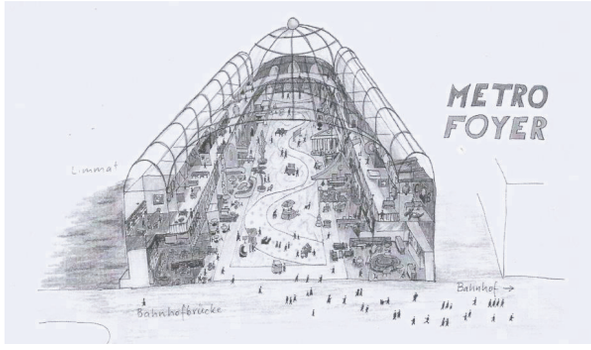

मेट्रो फोयर

यह एक मेट्रो फोयर (ज़ूरिक मे किसी जगह) की छवि है : केंद्रीय दीर्घा का प्रयोग बड़े समारोहो व आयोजनो के लिय किया जाता है और वहाँ पर दोनों तरफ बिस्त्रो/बार/रैस्टौरेंट है जोकि समस्त विश्व के सिस्टर सिटीज द्वारा संचालित होते है . इसके पिछली तरफ नगर व इसके उपनगरो व संस्थानो की रेसेपशन लॉबी है .

ऊपरी तल पर नागरिक संगठनो , राजनेतिक पार्टियो , NGOs के स्थान बने है; वहाँ पर बैठक कक्ष है जिनहे बुक किया जा सकता है ; वहाँ एक शहरी प्रबुध मण्डल है . इसके साथ वहाँ पर एक पनोरमा रैस्टौरेंट (वाजिब कीमत पर) जो की नगर द्वारा चलाया जा रहा है .

3. क्षेत्र (glomo4)

प्रदेश अनुरूप क्षेत्र है 50,000 km2 (जोकि 225 km का वर्ग है) और इसमे तकरीबन 10 मिलियन की आबादी है . एक प्रदेश मे 5 से 10 क्षेत्र शामिल होते है . प्रदेश शुद्धतौर पर कार्यात्मक ; मतलब वे गैर-जातीय है , एक सांस्कृतिक , और गैर-भाषाई है । ऐतिहासिक सीमाये मानते है या नही यह टोपोग्राफिक सुविधा (नदी , पहाड़ आदि) ।

एक प्रदेशीय मोड्युल जोकि इस आकार और जनसंख्या का है वह है बड़े स्तर की सेवायो और प्रणाली के लिय आदर्श अनुकूल है , जेसेकि : ऊर्जा (ग्रिड व पावर

अड़ोस पड़ोस के सदस्यो द्वारा ऐसे संयुक्त व पूरक आवास वयवस्था गठित की जाए जिसमे सभी की मूलभूत सुविधायों का ध्यान रखा जाए ।

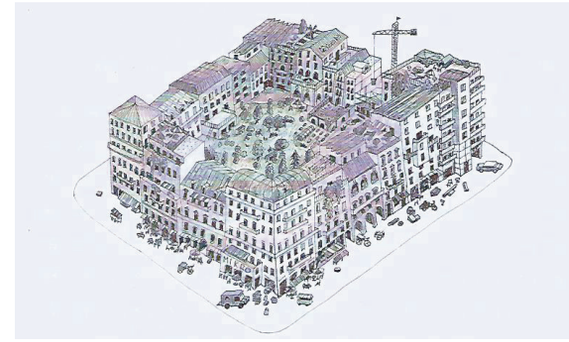

यह परंपरागत यूरोपियन शहर के एक शहरी अड़ोसपड़ोस चित्रण है (glomo 1)

शीतोष्ण जलवायु (मध्य यूरोप , USA , चाइना , जापान आदि) क्षेत्रों मे 62 हेक्टर कृषि भूमि लोगो के खाने की आपूर्ति के लिय पर्याप्त है . ज़्यादातर मामलो मे कृषि भूमि अड़ोसपड़ोस से 20 से 50 किमी से ज्यादा दूर नही होगी . एक छोटा ट्रक (3 टन) अड़ोसपड़ोस मे खाने के सामान के वितरण के लिय ठीक है . सटे हुये अड़ोसपड़ोस के बीच सहयोग , साझा करना व आपसी विनिमय को बढ़ावा देना चाहिए . भूमि व भोजन तक पहुँच ही अड़ोसपड़ोस की संप्रभुता का मुख्य तत्व है , व जीवन की गुणवता भी है (खाने की गुणवता , देश मे अवकाश , कृषि कार्य व खाना प्रसंस्करण) ।

खाने का प्रकार व मात्रा का एक उदाहरण देने के लिय जरूरी तथ्य :

5. The Planet , ग्रह (glomo5)

ग्रह के 800 क्षेत्र मिलकर एक वैश्विक संधि करते है , ग्रह की महत्वपूर्ण सभी चिंतायो के लिये संयुक्त सहयोग के लिय और इसके लिय अभिकरणो की इस प्रकार स्थापना करते है :

- जीवमंडल की निगरानी व संरक्षण
- सहयोग का आयोजन और क्षेत्रों के बीच झगड़ो का समाधान करना
- सीमायो के बारे मे नियम बनाना
- वैश्विक संसाधनो का वितरण
- विश्व बैंक
- आपातकालीन सहायता (प्राकृतिक आपदाये , महामारी , खाना , दवाई)
- तकनीकी जानकारी को साझा करना
- अनुसंधान
- अन्तरिक्ष अनवेशन
- वैश्विक न्यायलय
- सुरक्षा व प्रतिबंध
- तकनीकी पुर्जो , अलगोरीदमस , सामग्री का निर्माण व सांझा करना
- यातायात व्यवस्था
- संचार साधन (जनता के लिय इंटरनेट व ग्लोबोनेट)
- सांस्कृतिक आदान प्रदान

जेसे की वर्तमान वैश्विक संस्थान वैधता संकट मे घिरे है , एक नया संगठन बनाना चाहिय . पारदर्शिता , लोकतान्त्रिक ढांचा हो जिसमे सभी सदस्यो समान शक्तियाँ/आकार जरूरी है .

एक विधाई/प्रतिनिधि सभा हो जिसमे 1600 प्रतिनिधि (प्रत्येक लिंग व क्षेत्र मे से 2) होना प्रशंसनीय है , अभिकरणो (agencies) को चलाने ले लिय 25 सदस्यो का एक कार्यमंडल हो .

कुल मिला कर वैश्विक गतिविधियां की संख्या व महत्व घट जाएगा , जेसे छोटे व स्थानीय ज्यादा सक्षम हो जाएंगे , इसके लिय ग्लोबोनेट द्वारा डिजिटलाईजेशन , स्वचालन और ज्ञान व सूचना को सांझा करने को धन्यवाद .

सारांश

आर्थिक क्षेत्रों , कार्यो व मॉड्यूल का वैश्विक बंटवारा इस प्रकार दिख सकता है (ना ही संपूर्णता और ना ही प्राथमिकता का इरादा है) :

7. उभर रहे संघर्ष के लिय सुलभ व सस्ते माध्यम निकले जाए ।
8. सामान्य संसाधनो के संचालन के लिये ज़िम्मेदारी निम्न स्तर से लेकर ऊपर तक निश्चित की जाए .

ये बुनियादी नियम सभी संस्थानो व ढांचो पर लागू हो (नीचे देखे) . एक तर्कसंगत घरेलू अर्थव्यवस्था मे तीन क्षेत्र देखे जा सकते हे :

- जीवन निर्वाह अर्थव्यवस्था मे सामान्य ग्रहस्थी (अड़ोस पड़ोस , ग्लोमों1) , जहाँ बगैर भुगतान कार्य सबसे आम है .
- अतिरिक्त जनसेवाये व उद्योग जोकि बड़े स्तर पर संबन्धित लोगो की इच्छा व सहयोग से चलते है . ये सेवाये तर्कसंगत तरीके से संसाधनो व आवश्यकतानुसार छेत्रीय सीमायो के अंदर संस्थायो द्वारा संचालित किए जाते है .
- बकाया छेत्र मे विभिन्न प्रकार (फर्म , सहकारी समितिया , साझेदारीया फर्म) गैर महत्वपूर्ण व्यक्ति व सामूहिक उधयम एक स्थायी योजनानुसार कार्य नहीं करते पर छेत्रीय व सामाजिक कानूनों द्वारा नियंत्रित होते है .

व्यक्तिगत विकास व सामाजिक समावेश

वर्तमान अनुसंधानों के अनुसार वर्तमान जीवनशैली के कई पहलू हमे नाखुश बनाते है . गरीबी हमे नाखुश करती है , जो कार्यस्थल पर निरंतर तनाव बनाये रखती है । असमानता का उच्च स्तर , ज्यादा हिंसा व खराब स्वास्थ्य से जुड़े हुये है . समानता पर आधारित समाज सबसे सुखी भी है (cf डेन्मार्क).

ओधयोगिक अर्थव्यवस्था के विकास से परिवार ढांचे व परंपरागत समुदायो का दमन हुया है । दूसरी तरफ अनचाहा एकांत , सामाजिक अलगाव , गुमनामी की घटनाए चिंता के कारण है . बहुत सारे लोग असंबद्ध व बेसहारा है .

यहाँ तक कि जहाँ पर सभी मूलभूत आवशकताये पूरी होने पर भी , कार्यस्थल व घर पर वास्तविक व्यक्तिगत विकास , भाग लेना और सशक्तीकरण न्यून है .

हमे नवीन जीवनशैली की आवशयकता है , जहाँ पर सभी आयु के लोग एकीकृत व समाज के अंग की तरह महसूस करे व सामाजिक पहचान व सुरक्षित सामाजिक पद का आनन्द ले . स्वस्थ विकास व खुश युवायो को दोस्ताना व सुरक्षित वातावरण की जरूरत होती है . एकांत , सामाजिक समावेश व व्यक्तिगत विकास मे अंतर्विरोध न हो .

संस्थान

सभी मॉड्यूलस के लिय सुझाये गये प्रशासनिक संस्थान इस तालिका मे दर्शाये गये है :

मॉड्यूल	विधायिका	कार्यकारी	सीधा प्रजातांत्रिक हक
अड़ोसपड़ोस	सामान्य सभा	बोर्ड (7 व्यक्ति)	समान्य सभा के लिय Right to call
नगर/छोटा कस्बा	बड़ी परिषद (100)	छोटी परिषद (7)	पुनर्गठन/जनमत संग्रह
क्षेत्र/बड़ा नगर	बड़ी परिषद (100)	छोटी परिषद (7)	पुनर्गठन/जनमत संग्रह
क्षेत्र	बड़ी परिषद (400)	छोटी परिषद (11)	पुनर्गठन/जनमत संग्रह
ग्रह	बड़ी परिषद (1600)	छोटी परिषद (25)	------

ये संस्थान परंपरागत और लंबे समय से स्थापित प्रत्यक्ष विधानसभायों , प्रतिनिधियों और जनमत संग्रह के मंडलों का प्रतिनिधित्व करते है . ये प्रजातांत्रिक मूल अधिकारो , जेसे कि सार्वभौमिक वोटिंग अधिकार, पारदर्शिता , विचार व्यक्त करने कि स्वंत्रतता पर आधारित है । जनमत संग्रह उपकरणो को क्षेत्र से बड़े मॉड्यूल मे प्रयोग नही करना चाहिय .

परिवर्तन व वित्त Transformation and Finances

ग्रह स्तर के प्रस्तावो को वास्तविक बनाने के लिय साधन व संसाधन उपलब्ध है . मॉड्यूलस के विश्वासपूर्ण सहयोग के लिय एक निश्चित वैश्विक समानता स्तर पूर्व शर्त है .

जबकि पुराने औध्योगिक समाज जोकि मुखतया ग्रह के उत्तर मे है अक्सर आधारभूत ढांचे मे अतिवृद्धि दिखाते है , जरूरी उपकरणो की कमी दक्षिण में . वैश्विक निवेश का वैश्विक दक्षिण की तरफ अनुप्रेष्ण की जरूरत है संकर्मणकालीन अवधि के लिय .

यदि हम माने कि अड़ोसपड़ोस-समुदायो (glomo1) के मौजूदा ढाँचे के संकर्मणकालीन कि लागत 50 लाख डॉलर प्रति है , हमे कुल मिलाकर 800 खरब डॉलर के निवेश कि आवश्यकता होगी . यह वैश्विक वार्षिक GDP के अनुरूप है . ऐसे व्यय को कई वर्षो मे बराबर फैला दिया जाए (= द्रव्य संसाधनो का संग्रहण) व्यवहार्य नही दिख रहा .

आमतौर से <<पश्चिमी>> जीवनशैली इस प्रकार अपोषणीय (unsustainable) है कि चाहे पुराने औधोगिक केन्द्र मे कैद कर दिया जाए . यह पूरी दुनिया मे मान्य नही है . केवल तकनीकी खोज ही पर्याप्त नही है और शायद समय से पीछे आये . हमे फुर्तीली व्यवस्था की जरूरत है ।
पर्यायवरण व न्याय के लिय शुद्ध जीवनशैली के लिय मैन्यू इस प्रकार होना चाहिय (स्विट्ज़रलैंड का उदाहरण ले) :

- $20m^2$ वर्गमीटर की व्यक्तिगत रहने कि जगह (लिविंग एरिया)
- 2.5 m^2 वर्गमीटर की सामुदायिक जगह (1250 m^2 वर्गमीटर छोटे केन्द्र मे, नीचे विवरण है)
- कार न होना
- हवाईयात्रा ना होना
- प्रतिदिन , प्रति व्यक्ति द्वारा 6 किमी ट्रेनयात्रा (स्विट्ज़रलैंड मे वर्तमान में 6 किमी)
- प्रतिवर्ष ट्रेन द्वारा 1000 किमी यात्रा
- प्रतिवर्ष नाव द्वारा 1000 किमी जलयात्रा
- प्रतिवर्ष 15 किलोग्राम मांस का सेवन (4.3 किलोग्राम बीफ , 7.6 किलोग्राम पोर्क , 3.2 किलोग्राम पक्षी ; वर्तमान **मे अमेरिका 120** , स्विट्ज़रलैंड 50)
- प्रतिवर्ष 20 लीटर दूध (स्विट्ज़रलैंड मे वर्तमान में 370 लीटर)
- प्रतिदिन 70 लीटर पानी
- प्रति सप्ताह 3 घंटे इंटरनेट प्रयोग (वर्तमान में 7)
- प्रतिदिन 50 नागरिकों पर एक समाचारपत्र

विभिन्न कारको मे आपसी आंशिक बदलाव संभव होते है : जेसे मांस कम खाना , कार यात्रा का आनंद लेना , रहने की जगह (लिविंग स्पेस) को कम करके कम दूरी की हवाई यात्रा करना आदि . कुल मिला कर ये सीमाये जीवनशैली को बिलकुल बदलने को मजबूर करती हे , जिसमे भिन्न आवास , छेत्रीय (territorial) व संस्थागत बदलाव की जरूरत होती हे . जबकि वर्तमान पश्चिमी उपभोक्तावाद स्पष्ट तौर से अपोषणीय है , जो कि वर्तमान 10 बिलियन लोगो द्वारा आरामदायक जीवन जी रहे लोगो के लिय असंभव हे ; इसका मतलब है विश्व की आबादी के लिय उन्न्त मार्ग चाहिय . सबसे पहले , कठिनाई से बचाने के लिय ऐसे काफी आसान संसाधन हे , जो स्वास्थ्य प्रणाली को स्थापित करने या चलाये रखने के लिय और विज्ञान व तकनीकी विकास के लिय काफी है .

<u>आर्थिक सीमाये</u>

वर्तमान आर्थिक व्यवस्था तो स्थाई संकट मे है । इसे हम निम्नलिखित सचित्र आंकड़ो से देख सकते है : 2260 खरब डॉलर वैश्विक ऋण या वैश्विक GDP 700 खरब का 300 % (ग्रीस के ऋणDebt/GDP अनुपात से दुगना) , 6000 खरब आर्थिक व्युत्पतिलब्ध (derivatives) बुलबुला ।

कुछ महत्वपूर्ण पुस्तके

- Boudet, Dominique (Ed.), New Housing In Zurich, Typologies for a Changing Society, Park Books, 2017
- De Angelis, Massimo, Omnia Sunt Communia, Zed-Books, 2017
- Dolan, Paul, Happiness by Design, 2017
- Helfrich, Silke (Hg.), Die Welt der Commons, transcript Verlag, 2017
- Jackson, Tim, Prosperity Without Growth, 2009/2017
- Kahneman, Daniel, Thinking, Fast and Slow, 2011
- Largo, Remo, Das passende Leben, 2017
- Layard, Richard, Happiness: Lessons From A New Science, Penguin, 2011
- P.M. «The Power of Neighborhood» and the Commons, Autonomedia, 2014
- Nelson, Anitra; Schneider, François, Housing for Degrowth, 2018
- Neustart Schweiz, Nach Hause kommen, 2016
- Raworth, Kate, Doughnut Economics, Seven Ways to Think Like a 21st-Century Economist, 2017
- Rosling, Hans, et.al., Factfulness, 2017
- Streeck, Wolfgang, How Will Capitalism End? Verso, 2016
- Wilkinson Richard G. and Kate Pickett, The Spirit Level: Why More Equal Societies Almost Always Do Better, 2009
- Widmer, Hans (Ed.), Die Andere Stadt, Paranoia City, 2017

km n m² watt persons kg t l % institutions rules boundaries

एक प्रस्ताव